



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालय के डॉ. अनिर्बाण घोष ने पीकिंग की अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पढ़ा शोध पत्र

वर्धा, 8 अक्टूबर 2026 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा विद्यापीठ अंतर्गत अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनिर्बाण घोष ने 19-20 सितंबर को चीन के प्रतिष्ठित पीकिंग विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता कर शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. घोष की इस अंतरराष्ट्रीय अकादमिक सहभागिता को विश्वविद्यालय



की वैश्विक शैक्षणिक उपस्थिति और भारत-चीन सांस्कृतिक एवं भाषाई अध्ययन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने इसे विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पहचान के रूप में रेखांकित करते हुए प्रो. अनिर्बाण घोष को बधाई दी है।

पीकिंग विश्वविद्यालय के पूर्वी साहित्य अनुसंधान केंद्र तथा विदेशी भाषा विद्यापीठ के प्राच्य अध्ययन विभाग की स्थापना के 80 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. घोष ने “चीन में भारतीय भाषाओं का अध्ययन : पीकिंग विश्वविद्यालय के प्राच्य अध्ययन विभाग की स्थापना में चीनी और भारतीय विद्वानों का योगदान” विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी में भारत के दो विश्वविद्यालय महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय सहित ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, अमेरिका के न्यूयॉर्क, फिलीपींस के मनीला, जर्मनी के बॉन, दक्षिण कोरिया के सियोल, मंगोलिया राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वियतनाम के चियांग माई विश्वविद्यालय तथा चीन के लगभग 20 से अधिक विश्वविद्यालयों के करीब 70 विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

संगोष्ठी के दौरान एशिया तथा विश्व में प्राच्य विद्या के इतिहास, वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। विद्वानों ने विशेष रूप से चीन में भारत अध्ययन की लगभग एक शताब्दी पुरानी परंपरा तथा उसके समकालीन महत्व पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि चीन में भारत अध्ययन की औपचारिक शुरुआत लगभग 100 वर्ष पूर्व पीकिंग विश्वविद्यालय से ही हुई थी।

इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पीकिंग विश्वविद्यालय के अतिरिक्त चिंगहु, रेनमिन, बीजिंग फॉरेन स्टडीज़ विश्वविद्यालय तथा शंघाई, चोंगकिंग, निंगश्या और वुहान सहित विभिन्न क्षेत्रों के विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों के विशेषज्ञों ने भी सहभागिता की।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

 ज्ञान शांति मैत्री	महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) जनसंपर्क कार्यालय PUBLIC RELATIONS OFFICE	 आज़ादी का अमृत महोत्सव
---	---	---

हिंदी विद्यापीठाचे डॉ. अनिर्बाण घोष यांनी पीकिंगच्या आंतरराष्ट्रीय परिसंवादात सादर केला संशोधन निबंध
वर्धा, 8 ऑक्टोबर 2026 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या भाषा विद्यापीठांतर्गत इंग्रजी आणि विदेशी भाषा अध्ययन विभागाचे सहाय्यक प्राध्यापक डॉ. अनिर्बाण घोष यांनी 19-20 सप्टेंबर रोजी चीनमधील प्रतिष्ठित पीकिंग विद्यापीठात आयोजित आंतरराष्ट्रीय परिसंवादात सहभाग नोंदवत संशोधन निबंध सादर केला. डॉ. घोष यांचा हा आंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहभाग विद्यापीठाच्या जागतिक शैक्षणिक उपस्थितीचा तसेच भारत-चीन सांस्कृतिक आणि भाषिक अध्ययन क्षेत्रातील महत्त्वपूर्ण उपलब्धी म्हणून पाहिला जात आहे. या यशाबद्दल कुलगुरू प्रा. कुमुद शर्मा यांनी विद्यापीठाच्या आंतरराष्ट्रीय ओळखीचे प्रतीक असल्याचे सांगत डॉ. अनिर्बाण घोष यांचे अभिनंदन केले.

पीकिंग विद्यापीठाच्या पूर्वीय साहित्य संशोधन केंद्र तसेच विदेशी भाषा विद्यापीठाच्या प्राच्य अध्ययन विभागाच्या स्थापनेला 80 वर्षे पूर्ण झाल्याच्या निमित्ताने आयोजित या आंतरराष्ट्रीय परिसंवादात डॉ. घोष यांनी “चीनमधील भारतीय भाषांचा अभ्यास : पीकिंग विद्यापीठाच्या प्राच्य अध्ययन विभागाच्या स्थापनेत चिनी आणि भारतीय विद्वानांचे योगदान” या विषयावर आपला संशोधन निबंध सादर केला.

या परिसंवादात भारतातील महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ आणि जवाहरलाल नेहरू विद्यापीठ यांच्यासह ब्रिटनमधील ऑक्सफर्ड आणि एडिनबर्ग विद्यापीठ, अमेरिकेतील न्यूयॉर्क, फिलिपाइन्समधील मनीला, जर्मनीतील बॉन, दक्षिण कोरियातील सियोल, मंगोलिया राष्ट्रीय विद्यापीठ, व्हिएतनाममधील चियांग माई विद्यापीठ तसेच चीनमधील 20 हून अधिक विद्यापीठांतील सुमारे 70 तज्ज्ञ आणि संशोधक सहभागी झाले होते.

परिसंवादादरम्यान आशिया आणि जगातील प्राच्यविद्येचा इतिहास, वर्तमान स्थिती आणि भविष्यातील शक्यता यांवर सविस्तर चर्चा करण्यात आली. विद्वानांनी विशेषतः चीनमधील भारत अध्ययनाच्या जवळपास शतकभर जुन्या परंपरेवर आणि तिच्या समकालीन महत्त्वावर विचारमंथन केले. उल्लेखनीय म्हणजे, चीनमध्ये भारत अध्ययनाची औपचारिक सुरुवात सुमारे 100 वर्षांपूर्वी पीकिंग विद्यापीठातूनच झाली होती.

या आंतरराष्ट्रीय आयोजनात पीकिंग विद्यापीठाव्यतिरिक्त चिंगहुआ, रेनमिन, बीजिंग फॉरेन स्टडीज विद्यापीठ तसेच शांघाय, चोंगकिंग, निंगश्या आणि वुहान येथील विविध विद्यापीठे व संशोधन संस्थांतील तज्ज्ञांनीही सहभाग नोंदविला.

Dr. Anirban Ghosh of MGAHV Presented a Research Paper at an International Symposium at Peking University

Wardha, October 8, 2026: Dr. Anirban Ghosh, Assistant Professor in the Department of English and Foreign Language Studies under the School of Languages at Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, (MGAHV) participated in and presented a research paper at an international symposium held on September 19-20 at the prestigious Peking University, China. Dr. Ghosh's international academic engagement is being regarded as a significant achievement for the University's global academic presence and for the advancement of India-China cultural and linguistic studies. Congratulating Dr. Ghosh on this accomplishment, Vice-Chancellor Prof. Kumud Sharma described it as a reflection of the University's growing international recognition.

The international symposium was organized on the occasion of the 80th anniversary of the Department of Oriental Studies under the School of Foreign Languages and the Eastern Literature Research Center of Peking University.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

 ज्ञान शांति मैत्री	महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) जनसंपर्क कार्यालय PUBLIC RELATIONS OFFICE	 आज़ादी का अमृत महोत्सव
---	---	---

Dr. Ghosh presented his research paper titled “The Study of Indian Languages in China : The Contribution of Chinese and Indian Scholars to the Establishment of the Department of Oriental Studies at Peking University.”

The symposium brought together around 70 scholars, experts, and researchers from more than 20 universities in China, as well as institutions from across the world, including MGAHV and JNU from India; the Universities of Oxford and Edinburgh from the United Kingdom; New York University in the United States; the University of Manila in the Philippines; the University of Bonn in Germany; universities from Seoul, South Korea; the National University of Mongolia; Chiang Mai University in Vietnam; and several other leading academic institutions.

During the symposium, participants engaged in extensive discussions on the history, current status, and future prospects of Oriental Studies in Asia and across the world. Scholars particularly deliberated on the nearly century-old tradition of India Studies in China and its contemporary relevance. It was noted that the formal study of India in China began nearly a hundred years ago at Peking University itself.

In addition to Peking University, experts and researchers from Tsinghua University, Renmin University, Beijing Foreign Studies University, and academic institutions from Shanghai, Chongqing, Ningxia, Wuhan, and other regions of China also participated in the international event.